OM 18_Page 1 and 2 01-12-2014 20:05 Page 12

आगरा-उ.प्र.। 'द फ्यूचर ऑफ पॉवर' कार्यक्रम के पश्चात् समूह चित्र में निज़ार जुमा, ब्र.कु. विमला, ब्र.कु. कविता, राजा महेन्द्र अरिदमन सिंह, कैबिनेट मिनिस्टर उ.प्र., राम सकल गुर्जर,टेक्निकल एजुकेशन स्टेट मिन्स्टिर, एंथनी फिलीप्स, एन्नी वॉल्थम,लाइस कोच काउन्सलर ट्रेनर, मेलेसा ओबेरोन लेवोफ, डॉ. रमेश सी.मिश्रा,सेक्रेट्री,न्युरोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया, अरुण कुमार वर्मा,जी.एम.कैनेरा बैंक, बी. सेलवा कुमार,पोस्टमास्टर जेनरल,इंडियन पोस्टल सर्विसेज़, प्रो. के.डी. स्वामी, डॉ. पंकज महेन्द्रु,वाइस चेयरमैन,कैन्टोनमेंट बोर्ड, राजा रघुराज सिंह,एम.डी.,लक्ष्मी विलास पैलेस हेरिटेज होटल,भरतपुर, डॉ. श्रीकांत प्रसाद त्रिपाठी,डायरेक्टर,नेशनल जालमा इंस्टीट्यूट फॉर लेप्रॉसी, बियांका काँग तथा अन्य।

सम्पूर्णता के लिए तीव्र पुरुषार्थ

स्वमान-मैं इस धरा पर सबसे अधिक भाग्यवान हूँ।

जिससे मिलने के लिए लाखों आत्माएं गुफाओं-कंदराओं में भटक रही हैं...जिसकी एक झलक पाने के लिए व्रत, पूजा, पाठ आदि कर रही हैं...वह परमात्मा मेरे मात-पिता, शिक्षक व सद्गुरु हैं, वाह मेरा श्रेष्ठ भाग्य वाह...भगवान मेरी अंगुली पकड़कर चला रहे हैं...मुझे ज्ञान, गुण व शक्तियों से श्रृंगार रहे हैं...।

योगाभ्यास - एक तरफ मेरा देवताई स्वरूप...दूसरी तरफ लाइट का स्वरूप...और बीच में मेरा संगमयुगी ब्राह्मण स्वरूप... ऊपर बाबा छत्रछाया के रूप में विराजमान...मैं आत्मा अपने संगमयुगी ब्राह्मण स्वरूप से निकलकर कभी देवतायी स्वरूप में तो कभी फरिश्ते स्वरूप में स्थित हो जाता हूँ...। मैं आत्मा परमधाम में सर्वशक्तिमान शिव बाबा की किरणों के नीचे बैठा हूँ... बाबा की सर्व शक्तियों की किरणें मेरे ऊपर आ रही हैं और मेरे सभी पुराने संस्कार नष्ट होते जा रहे हैं, मैं सम्पूर्ण पवित्र व निर्मल होता जा रहा हूँ।

धारणा - त्यागमूर्त स्थिति - महान आत्माएं केवल एक ही बार किसी चीज़ का त्याग करती हैं, त्यागने के पश्चात् उसे ग्रहण नहीं करती, हमने जिन बुराइयों का त्याग कर दिया उसकी तरफ अब संकल्प से भी हमें नहीं देखना है, ऐसा दृढ़ संकल्प करें।

चिन्तन - भाग्यवान कौन? भाग्यवान की निशानी? भाग्य कैसे बढ़ायें? भाग्य कैसे कम होता है? सूक्ष्म व स्थूल भाग्य कौन-कौन से हैं?

तीव्र पुरुषार्थियों के प्रति - प्रिय आत्मन! आपको याद ही होगा कि इस वर्ष को प्यारे बापदादा ने एक्स्ट्रा मदद का वरदान दिया है। इस वर्ष किसी भी कार्य में (सेवा वा स्व उन्नति) हिम्मत का एक बढ़ाने पर बापदादा की एक्स्ट्रा मदद मिलेगी। क्या आप इस सुनहरे अवसर का लाभ उठा रहे हैं?

स्वमान-मैं प्रकृति का मालिक हूँ।

सारे संसार में प्राकृतिक आपदाएं बढ़ती जा रही हैं। जब कभी हम इस प्रकार की घटना सुनते हैं तो हमारा कर्त्तव्य है कि हम अपने पीड़ित भाई-बहनों को शांति व शक्ति की सकाश दें। हमारी सकाश उनके लिए सम्बल बन जायेगी। स्थूल सहयोग तो सभी कर सकते हैं लेकिन यह सहयोग सिवाए हम ब्राह्मणों के कोई और नहीं कर सकता है।

योगाभ्यास - प्रकृति के पाँचों तत्वों को पवित्र वायब्रेशन्स दें...कभी सागर के ऊपर जाकर, तो कभी आकाश में स्थित होकर, हम प्रकृतिपतियों से पवित्र वायब्रेशन्स पाकर धरा पुनः सतोप्रधान हो जाएगी...। दिन में अनेक बार अपने देह रूपी प्रकृति से न्यारा होने का अभ्यास करें।

धारणा - मैं-पन का त्याग - मैं-पन की समर्पणता से योग सहज हो जाता है। जीवन में दिव्यता आने लगती है। मन शीतल और शांत होने लगता है। सेवाओं में मैं-पन आते ही जमा का खाता कटने लगता है।

चिंतन - हमें प्रकृति का मालिक बनने के लिए क्या-क्या करना होगा? प्रकृति हलचल कर रही हो तो हमें क्या करना चाहिए? हम अपनी प्रकृति (देह) के मालिक कैसे बनें? कहीं अब तक किसी कर्मेन्द्रिय के अधीन तो नहीं हैं?

ध्यान दें - प्यारे बापदादा की पूरे सीज़न की दस अति सुंदर, दिव्य वरदानों और सूक्ष्मातिसूक्ष्म रहस्यों से भरी अव्यक्त मुरलियाँ हैं। तो आइये प्रति सप्ताह एक मुरली का गहन अध्ययन करें और निम्नलिखित पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखकर रविवार की क्लास में सबके साथ बाँटें - इस मुरली से धारणा के लिए आप क्या चुनेंगे? इस मुरली से योग का विशेष कौन-सा अभ्यास लेंगे? इस मुरली में प्यारे बापदादा ने कौन से विशेष इशारे दिये? इस मुरली से आपको पुरुषार्थ की कौन-सी विशेष प्रेरणा मिली और उसे प्रैक्टिकल में लाने के लिए आप क्या करेंगे? इस मुरली से आपको चिंतन की कौन-सी नई प्वाइंट मिली?

--- सूचना ---
एक हिन्दी व अंग्रेजी टाइपिस्ट की आवश्यकता है । वो बाबा के ज्ञान योग में रुचि रखता हो। इच्छुक भाई इस नं. 8107119445 पर सम्पर्क करें।

भुज-कच्छ। चैतन्य देवियों की झाँकी के उद्घाटन पश्चात् समूह चित्र में राज्यमंत्री ताराचंद छेडा, सांसद विनोद चावड़ा, नगरपति श्रीमती हेमलता गारे, चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज़ के प्रेसीडेन्ट अनिल गारे, भुज सत्ता विकास के चेयरमैन किरीट सोमपुरा, सिविल सर्जन डॉ. जिज्ञा दवे, ब्र.कु. रौना, ब्र.कु. भारती तथा अन्य।

तुंगा-वस्सी। पूर्व विधायक कन्हैया लाल मीणा, थानाधिकारी राजेन्द्र कुमार शर्मा तथा अन्य गणमान्य जनों को प्रदर्शनी समझाते हुए ब्र.कु. राखी।

राजकोट। आध्यात्मिक कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए ब्र.कु. भारती, रामजी भाई तथा जीवा भाई चावड़ा।

धर्मशाला-हि.प्र.। ग्राम व शहरी विकास मंत्री सुधीर शर्मा को भाई दूज के अवसर पर आत्म स्मृति का तिलक लगाते हुए ब्र.कु. उमा। साथ हैं ब्र.कु. कमलेश तथा अन्य।

दिल्ली-वख्तावरपुर। भारत सरकार कृषि मंत्री राधामोहन जी को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. गीता।

वारंगल। आध्यात्मिक कार्यक्रम में दीप प्रज्वलन करते हुए ब्र.कु. सूर्य, माउण्ट आबू, कादियम श्रीहरी,म.प्र., ब्र.कु. सविता, ब्र.कु. शान्ता व अन्य।

दाहोद-गुज.। वसंत मसाला प्रा.लि. तथा ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा व्यापारी वर्ग के लिए आयोजित आध्यात्मिक स्नेह मिलन में सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. गीता,मुख्यालय संयोजक,व्यापार एवं उद्योग प्रभाग,माउण्ट आबू।

फरीदाबाद। विधायक सीमा त्रिखा को ईश्वरीय सौगात व संदेश देने के बाद समूह चित्र में ब्र.कु. कौशल्या तथा अन्य।

करनाल-सेक्टर 7। नेशनल इन्टिग्रेटेड फोरम ऑफ आर्टिस्ट एण्ड एक्टिविस्ट द्वारा हार्मनी 2014 कल्चरल फेस्टीवल में लगाई गई आध्यात्मिक प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के बाद आई.जी. राजबीर देसवाल को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु.प्रेम व ब्र.कु. मेहरचन्द।

दिल्ली-लोधी रोड। रेल भूमि विकास प्राधिकरण,रेल मंत्रालय के अधिकारियों हेतु 'टीम प्रबंधन' विषय पर कार्यशाला के बाद समूह चित्र में ब्र.कु. पीयूष, ब्र.कु. गिरिजा, ब्र.कु. सुनीता व प्रतिभागी।